Main Bhi Dilli
Ab Sheher Saath Banayenge

विषयगत परिचय

डीएमपी 2041 में आजीविका

चित्र : WIEGO के लिए रश्मि चौधरी

इस विषयगत तथ्य पत्र में मैं दिल्ली मास्टर प्लान के तहत आजीविका और मैं भी दिल्ली कैंपेन का विश्लेषण पेश किया गया है। हमारा ये तर्क है कि जिस शहर में 80 प्रतिशत आबादी के लिए कमाई का साधन अनौपचारिक रोजगार हो वहां पिछली योजना शहर की वासत्विक्ताओं तक पहुंच नहीं पाई है। इस तरह के ज्यादातर कामों में औपचारिक्ताओं का पालन नहीं किया जाता है इस लिए इस तरह के प्रावधान पर्याप्त नहीं हैं। अगर योजना को आजीविका के मुद्दे पर केंद्रित किया जाता है तो इससे न सिर्फ समावेशी अर्थिक विकास होगा बल्कि विकास में स्थिरता, लचीलापन और समानता आएगी।

मैं भी दिल्ली अभियान एक समावेशी शहर की कल्पना व उसके निर्माण के लक्ष्य के साथ कार्य करने वाला एक जन अभियान है। यह एक सामाजिक संस्थानों, ऐक्टिविस्ट, शोधकर्ताओं, तथा आवास, जीविका, लिंग-भेद, और अन्य अधिकारों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर काम करने वाले व्यक्तियों का एक समूह है।

आजीविका और योजना के बीच की कड़ी

दिल्ली का आर्थिक सर्वेक्षण 2017-18 ये बताता है कि शहर की सिर्फ और सिर्फ 15 प्रतिशत आबादी ही औपचारिक रोजगार के क्षेत्र में है। बहुत बड़ी संख्या में लोग असंगठित क्षेत्र जैसे सड़कों पर फेरी लगाना, कचरा चुनना या घर-खाता काम जैसे व्यवसाय में संलिप्त हैं। और विडंबना ये है कि इनमें से ज्यादातर काम दफ्तरों व्यवसायिक केंद्रों के बाहर, घरों, वस्तियों और सड़कों पर होता है। दिल्ली में काम करने वाले ज्यादातर मजदूरों पर शहर की जमीन की आबंटन और अन्य व्यवस्थाएं जैसे कि आवास, पानी, शौचालय की इंफ्रास्ट्रक्चर और यातायात का भारी प्रभाव पड़ता है। हलांकि ये योजनाएं बनाने वालों के लिए अलग अलग श्रेणियां हो सकती हैं लेकिन लोगों और उनकी जिंदगियों के लिए ये श्रेणियां अगल नहीं और उनके जुड़ाव पर निर्भर करता है कि हरी जिंदगी कैसी होगी। आजीविका केंद्रित नजरिया हमें ले सकता है: (1) समावेशी आर्थिक विकास, (2) स्थिरता और लचीलेपन को बढ़ावा देना और (3) लैंगिक समानता को बढ़ावा देना।

शहरों का ऐसा विकास जिससे रोजगार को बढ़ावा मिले और गरीबी मिटे

- श्रम आधारित आर्थिक विकास करना
- मौजूदा औद्योगिक क्षेत्रों का विकास एंव उनकी सुरक्षा
- आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए लोचपूर्ण लेकिन विकास केंद्रित नियम

स्थाई महौल बनाने के लिए असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को योजना का मुख्य हिस्सा बनाना

- नगरपालिका की ठोस कचरा प्रबंधन में असंगठित क्षेत्र की कचरा कामगारों को शामिल करना और रीसाइक्लिंग उद्योग को बढ़ावा देना
- पड़ोस और स्थानीय बाजारों से परिवहन की निर्भरता को कम करना

डीएमपी 2041 में आजीविका

घरों और काम के बीच तालमेल की पहचान

- घरों और रिहायशि बस्तियों को मान्यता देना और उन्हें उत्पादन करने वाली इकाइयों के रूप में विकसित करना
- ऐसी निष्कासन नीतियां नहीं बनना जिनसे आजीविका की अवधारणा को नुकसान पहुंचे
- आस-पड़ोस का सही इस्तेमाल असंगठित कामगारों के लिए महत्वपूर्ण
- पीने के पानी की उपलब्धता और उसकी निकासी व्यवस्था का असर उत्पादकता, वक्त और लागत पर पड़ता है
- शुरूआत से गंतव्य तक की यात्रा की सुगमता असंगठित श्रमिकों, खासकर महिलाओं के लिए जरूरी बिंदू
- घरों और उसके आस-पास के इलाकों में आजीविका से संसाधनों की उपलब्धता पूरे शहर में सुनिश्चित करना

असंगठित अर्थव्यवस्था के कामों के लिए जमीन और जगह देना

- घरों, सड़कों, कूड़ा डालने वाले मैदानों, छोटा कारखानों जैसी जगहों पर काम की पहचान और उसकी रक्षा करना
- सामुदायिक कार्य स्टेशन, कचरे की छंटाई, और वितरण जैसे कार्यों के लिए पास में जगह महैया करवाना
- स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़वा देने के साथ साथ चलने फिरने की व्यवस्था

महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना

- अलग अलग जगहों पर असंगठित क्षेत्र में मिलने वाले पारिश्रमिक का लेखा जोखा रखना
- महिलाओं के काम बोझ कम करने के लिए मूलभूत सेवाएं मुहैया करवाना
- परिवहन को बढ़ावा देने के लिए सामाजिक सुविधाओं को बढ़ावा देना

एमबीडी अभियान के आजीविका फैक्ट शीट

अगले 20 सालों के लिए दिल्ली में शहरी विकास की प्रकृति का निर्धारण करने के लिए मास्टर प्लान प्रमुख दस्तावेज है। और आजीविका के न्याय और तर्क संगत परिणामों को लागू करने से एक लंबा सफर तय किया जा सकता है। पिछले पन्ने पर अगल अगल श्रेणियों के तथ्यों का जिक्र किया गया है। जिनमें आजीविका कमाने वाले एक विशेष समूह, उनकी भूमिका का विस्तारण, उनके योगदान, उनसे जुडे मुख्य मुद्दे से साथ साथ अंत सुझाव दिया गया है। तथ्य कुछ इस प्रकार हैं

चित्र: WIEGO के लिए रश्मि चौधरी

मुख्य मांगे

1 **सही गणना के जरिए उनकी पहचान**
- सही प्रावधानों के लिए असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की संख्या, उनके योगदान और काम की जगह जैसे मुद्दों पर एक सर्वेक्षण की जरूरत है।

2 **पड़ोस के स्तर पर काम के लिए जगह**
मुहैया करवाना
कचरे को छांटने, उन्हें अलग करने के लिए जगह
सामुदायिक कार्य केंद्र
वेचने के लिए जगह
कामगारों के छत और सुविधाएं

3 **स्थानीय और प्राकृतिक बाजार का प्रचार**
पड़ोस में- दैनिक, साप्ताहिक और मौसमी
कबाड़ी और रीसाइक्लिंग बाजार के लिए
स्थानीय शॉपिंग सेंटर में जगह
रात के बाजार
महिलाओं के लिए विशेष बाजार

4 **घर को सिर्फ आश्रय की नजर से नहीं बल्कि कार्यस्थल के रूप में भी देखना**
- ऐसी बेहतर आवासीय नीति की जरूरत है जो मौजूदा बस्तियों के उन्नयन, रोजगार की संभावनाएं और लचीले नियम वाले आजीविका के अलग अलग बिंदुओं की पहचान कर सके

5 **सभी के लिए बुनियादी सेवाएं और सुविधाएं**
सभी बस्तियों में पानी की पाइपलाइन बिछाना और गंदे पानी के निकलने के लिए नालियों का निर्माण
पर्याप्त सार्वजनिक परिवहन

6 **सार्वजनिक सामाजिक ढांचे के लिए योजना**
बच्चों की देखभाल के लिए स्थानीय केंद्र
वार्ड स्तर पर बहुउद्देशीय कार्यकर्ता संसाधन केंद्र

7 **लिंग आधारित विशिष्ट आर्थिक नीति**
बाजारों में महिला विक्रेताओं के लिए आरक्षित जगह
सुविधाओं के प्रावधानों के जरिए घर पर किए जाने वाले कामों और दूसरे असंगठित की जगहों की पहचान

8 **प्रभावी समुदाय और सार्वजनिक स्थानों को बनाना**
नए सार्वजनिक जगह पर बिक्री के लिए जगह बनाना
मनोरंजन की खुली और सुलभ सार्वजकि जगह

9 **जोनिंग में लचीलापन और विकास नियंत्रण**
बिक्री की जगह, स्थानीय शॉपिंग सेंटर, छोटी कार्यशालाएं, घर के जरिए चलने वाले उद्दयोग जैसी चीजों को बढ़ावा देना जिससे खुद-बा-खुद आर्थिक विकास हो

10 **योजना में कामगारों का प्रतिनिधित्व**
योजना में असंगठिक अर्थव्यवस्था के श्रमिक और उनकी संस्थाएं बतौर मुख्य साझेदार